SHRI VASANT SATHE : Why is there import of Rudraksha and how is the Government ensuring that genuine Rudraksha is imported and is made available ? How will he ensure that it is made available to those who really need it if it is of medicinal or some other use? How will he ensure that ?

SHRI MOHAN DHARIA : It is put on the restricted list. We shall try to ensure that genuine Rudrakshas are allowed to be imported and made available.

So far as quality is concerned. I may suggest that better advice and better information would be available from the Leader of the Hon. Member. My reference is to the other great Leader, not this Leader here....

श्री हुकमचन्द राय कछवाय : माननीय मंत्री जी ने अभी अपने उत्तर में बताया है कि भारत साधु समाज के लोगों को हम ने परमिट दिया था, इन्हें मंगाने के लिए। मैं यह जानना चाहता हूं कि आप ने इन्हें परमिट कब दिया था और कितना मंगाने की अनुमति दी गई थी और जो लाया गया था उसे ईमानदारी से वितरित किया गया था या चोरबाजारी में उसे बेचा गया। मेरे पास समाचार पत्रों की बहुत सी कटिंग्स हैं, जिनमें नाना प्रकार के समाचार आए हैं और यह भी उन में आया है कि इस का काफ़ी गरम बाजार था देश के अन्दर। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जो नाना जो प्रकार के घोटाले हुए हैं और अभी बनारस में काफ़ी माल पकड़ा गया है, उस सब के बारे में आप वास्तविक जांच करवाएंगे कि क्यों माल छिपा कर रखा था। मैं यह भी जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में आप का क्या अनुमान है कि कितना माल चोरी-छिपे आता है और कितना चोरी छिपे जाता है और कौन-कौन लोग उस में शामिल हैं। एक समाचार पत्र में तो यह भी कहा गया है कि यह माल जो पकड़ा गया है, अगर सरकार उसकी छानबीन करवाएगी, तो बहुत से सफ़ेद पोश पकड़े जाएंगे। मैं जानना चाहता हूं कि इन सारी बातों की जांच करवा कर क्या मंत्री महोदय सदन को विश्वास में लेंगे ?

श्री मोहन धारिया : जैसा मैं ने पहले बताया है, उसकी जांच तो जारी है। जो लाइसेंस दिये गये वे पहले जमाने के थे यानी नई गवर्नमेंट के आने से पहले वे लाइसेंस दिये गये थे और मैं यह भी कहूंगा कि माननीय सदस्य के पास जो मालूमात हैं, उन्हें वे हमारे पास भेज देंगे तो हम फाइनेन्स मिनिस्टर साहब के पास उन को भेज देंगे ताकि जांच करवाने में उन को और सुविधा रहे।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैंने यह भी पूछा था कि जो लाइसेन्स दिये गये, उन में कितने मंगवाए गए और कब मंगाए गये।

अध्यक्ष महोदय अच्छा, ठीक है। नेक्स्ट क्वेश्चन।

New Tourist Centres in Gujarat

*991. SHRI AHSAN JAFRI : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to lay a statement showing :

(a) how many tourist centres have been set up by the Central Government in Gujarat state ;

(b) is there any plan to start new Tourist centres in Gujarat by the Central Government;

(c) the details of tourist centres in which the Central Government have decided to set up Janata Hotels; and

(d) the total amount which Central Government is going to spend for developing the tourist centres in Gujarat upto 1980?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) एक विवरण संलग्न है।

(ख) और (घ). राज्य सरकार से प्राप्त हुए पर्यटन विकास के बारे में पर्स्पेक्टिव प्लान पर राज्य की 1978–83 की पर्यटन संबंधी पंचवर्षीय योजना को अंतिम रूप देने के समय विचार-विमर्श किया जाएगा और उसी समय यह भी तय किया जाएगा कि

कौनसी स्कीमों को केन्द्रीय और कौनसी स्कीमों को राज्यीय क्षेत्र में आरम्भ किया जाएगा। परन्तु उनमें से केन्द्रीय पर्यटन विभाग द्वारा आरम्भ की जाने वाली स्कीमों की संख्या साधनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

(ग) 1978–83 की पर्यटन संबंधी केन्द्रीय पंचवर्षीय योजना में बम्बई, दिल्ली, कलकत्ता तथा मद्रास के चार महानगरों और ऐसे अन्य चुने हुए पर्यटन केन्द्रों पर, जिनका निर्धारण एक सर्वेक्षण कर लेने के बाद किया जाएगा, जनता होटलों के निर्माण का प्रस्ताव है, परन्तु यह केन्द्रीय योजना में इस स्कीम के लिए उपलब्ध कराए गए साधनों पर निर्भर करेगा। आरंभ में एक जनता होटल का निर्माण नई दिल्ली में किया जा रहा है जिसके लिये सरकार की अनुमति प्राप्त कर ली गयी है।

विवरण

दूसरी, तीसरी योजनाओं, तीन वार्षिक योजनाओं, चौथी योजना तथा पांचवी योजना के दौरान केन्द्रीय क्षेत्र में गुजरात में प्रारम्भ की गई पर्यटन स्कीमों को दर्शाने वाला विवरण

दूसरी पंच-वर्षीय योजना

क्रम सं०	स्कीम का नाम	व्यय
1	2	3
1.	अहमदाबाद में पर्यटक ब्यूरो . .	5,046
	तीसरी पंच-वर्षीय योजना	
	भाग—I	
1.	लोथल में जल-सप्लाई	1,07,310
2.	ससन के विश्राम-गृह में सुधार . . .	68,860
3.	केशोद और ससन के बीच तथा ससन से गिर तक परिवहन सुविधाएं	62,031
	भाग—II	
1.	पोरबन्दर में निम्न आय-वर्गीय विश्राम-गृह . .	33,188
2.	चोरवाड में हॉलिडे होम	50,000
3.	नल सरोवर में कैफेटेरिया	25,000
4.	लोथल में कैंटीन-व-रिटायरिंग रूम . .	98,820
		4,45,209

1	2	3
	वार्षिक योजना 1966-67	
1.	लोथल में जल-सप्लाई (पूर्व योजना का अवशिष्ट)	1,000
2.	लोथल में कैंटीन-व-रिटायरिंग रूम	31,000
3.	ससनगिर फारेस्ट बंगले का सुधार .	13,000
		45,000
	वार्षिक योजना 1967-68	
1.	लोथल में जल-सप्लाई स्कीम (पूर्व योजना का अवशिष्ट)	5,000
2.	लोथल में कैंटीन-व-रिटायरिंग रूम (पूर्व योजना का अवशिष्ट)	10,000
3.	लोथल के कैफेटेरिया के लिए एप्रोच रोड	30,000
4.	साबरमती में पर्यटक बंगला	6,000
		51,000
	1968-69	
1.	साबरमती में पर्यटक बंगला .	73,000
	चौथी पंच-वर्षीय योजना	
1.	साबरमती आश्रम में पर्यटक बंगला	3,63,000
2.	साबरमती आश्रम में सों-एट-लुमिएर शो	12,00,000
3.	गिर वन में विश्राम-गृह	9,14,000
4.	गांधीनगर में युवा होस्टल .	3,24,000
5.	पोरबंदर में पर्यटक बंगला	5,00,000
6.	गिर के वन्य जीव शरण-स्थल के लिए दो मिनी-बसों की व्यवस्था	82,000
		33,83,000
	पांचवीं पंच-वर्षीय योजना 1974-75	
1.	गांधीनगर में युवा होस्टल .	8,085
2.	पोरबंदर में पर्यटक बंगला .	3,57,850
3.	ससनगिर में फारेस्ट लॉज . . .	1,11,000
		4,76,935

1	2	3
	1975–76	
1.	गांधीनगर में युवा होस्टल . . .	68,295
2.	पोरबंदर में पर्यटक बंगला . . .	1,77,037
		2,45,332
	1976–77	
1.	गांधीनगर में युवा होस्टल . . .	312
2.	पोरबंदर में पर्यटक बंगला	40,380
3.	ससनगिर में फारेस्ट लॉज	1,93,354
		2,31,046
	1977–78	
	ससनगिर में फारेस्ट लॉज (भारत पर्यटन विकास निगम) के माध्यम से उपकरणों व साज-सज्जा की व्यवस्था के लिए .	6,59,000

श्री अहसान जाफरी : मैं ने जो सवाल पूछा था उस में यह कहा था कि गुजरात में पर्यटक केन्द्र खोलने के बारे में सरकार क्या करने जा रही थी । इस सम्बन्ध में यह सवाल था पर जो स्टेटमेंट रखा गया है, इससे मालूम पड़ता है कि काफ़ी समझदारी के साथ गुजरात में टूरिस्ट सेन्टर्स को डेवलप करने के सिलसिले में जो बात थी, उसे नजरान्दाज किया जा रहा है । मैंने जो सवाल पूछा था, उस में यह था कि डिटेल्स दी जाएं कि केन्द्रीय सरकार गुजरात में जनता होटल और टूरिस्ट सेन्टर्स बनाने के लिए 1980 तक क्या करने जा रही है लेकिन जवाब यह दिया गया कि टूरिज्म को डेवलप करने के लिए जो प्लान स्टेट गवर्नमेंट से मिले हैं, उनके ऊपर हम सोच विचार करेंगे । मैं कहना चाहता हूं कि इससे पहले भी प्लान दिये जा चुके हैं । मैं जानना चाहता हूं कि वेरावल काम्प्लेक्स के लिए जो ससनगिर सोमनाथ और द्वारिका के बीच में है, वह एक ऐसी जगह है जहां सब जा सकते हैं । सोमनाथ और ससनगिर में लाखों आदमी यहां के आते हैं और बाहर के लोग भी आते हैं । उस के लिए आप ने क्या किया है या आयन्दा क्या करने जा रहे हैं, इसके बारे में ठोस बात बताएं । इतना ही कहा है कि जो प्लान मिला है उस पर हम सोच विचार करेंगे । सवाल यह है कि जो प्लान मिल चुका है उसके बारे में आपने क्या सोचा है ? कितना पैसा अब आप खर्च करने जा रहे हैं ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जैसा मैंने निवेदन किया है 1978–79 के लिए स्टेट सैक्टर में जो 25 लाख रुपया मिला है उसका

विवरण मैंने दे दिया है । छठी योजना का जहां तक सवाल है इसके बारे में जैसा परस्पैक्टिव प्लान स्टेट गवर्नमेंट हे मिला है उस पर हम विचार करेंगे और माननीय सदस्य का जो सुझाव है द्वारिका के बारे में और बीच के इलाके को डिवेलेप करने के बारे में उस पर निश्चित रूप से अन्य बातों के साथ-साथ विचार किया जाएगा ।

जहां तक जनता होटलों का सवाल है जैसा मैंने निवेदन किया है सर्वेक्षण करने के बाद कि कहां कहां इनकी आवश्यकता है निर्णय किया जाएगा और उसके साथ-साथ जो साधन उपलब्ध होंगे उन के अनुसार विचार किया जाएगा ।

इसके अलावा मैंने यह भी कहा है कि केवल केन्द्रीय साधनों पर ही निर्भर नहीं रहा जा सकता है । जनता होटलों के निर्माण के लिए राज्य सरकारों और राज्यों के जो पर्यटन निगम हैं उनको भी साधन जुटाने चाहियें । लोगों से भी मैंने अपील की है कि जनता होटलों के निर्माण में वे मदद करें ।

श्री अहसान जाफरी : जनता होटल शुरू करने के लिए, उनका सिलेक्शन करने का जो आपने क्रम शुरू किया है क्या गुजरात उस में नहीं आता है, क्या वहां कोई सेंटर ही नहीं बन सकता है । गुजरात में यात्री बाहर से बहुत बड़ी संख्या में आते है, वहां सूरत, अहमदाबाद आदि शहर है, गीर के वहां जंगल है, द्वारिका है, वेरावल का कम्प्लैक्स है, ये सब हैं । दस करोड़ 32 लाख के करीब आप खर्च करने जा रहे है चार शहरों के लिए मद्रास, दिल्ली, कलकत्ता आदि के लिए । गुजरात में जनता होटल बनाने के लिए कोई प्लान ही आपकी समझ में नहीं आता है ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : समझ में तो आता है । लेकिन दस करोड़ का जो प्रावधान किया गया है यह चार जो मेट्रोपोलिटन सिटीज़ हैं और जहां ये जनता होटल बनेंगे 1250 कमरे वाले उनके लिए ही यह पर्याप्त होगा । सर्वेक्षण के बाद लगेगा और जो नई नीति बनेगी और हर साल रोलिंग प्लान के अनुसार देखेंगे कि क्या उपलब्धियां हुई हैं और क्या कमियां रह गई हैं, तो इस पर विचार किया जा सकता है और राशि का पुन: निर्धारण किया जा सकता है ।

श्री धर्मसिंह भाई पटेल : It has been stated in the Statement attached to the answer on page 2 that in 1977-78 there is a scheme for a forest lodge at Sassangir (for equipment and furnishings through I.T.D.C.) Costing Rs. 6,59,000—मैं जानना चहता हूं कि यह जो फर्निचर अभी तक नहीं पाहुंचा है इसको आप कब तक भेज देंगे ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : माननीय सदस्य ने जो जानकारी दी है इसको मैं देख लूंगा और जल्दी सामान पहुंच जाएगा ।

श्री मोतीभाई आर० चौधरी : अम्बा जी जोकि आबू के निकट है उसको पर्यटन केन्द्र बनाने की मांग की गई है, उसका पर्यटन केन्द्र के रूप में विकास करने की मांग की गई है । पिछल साल की यह जो मांग है इसके बारे में भी क्या सोचा गया है । यह हिल्ली एरिया भी है, तीर्थ स्थान भी है ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक तीर्थ स्थलों का सवाल है जैसा इसके पहले भी मैं सदन में बता चुका हूं हम एक सेंट्रल सोसाइटी बना रहे हैं जिस में हम आप जो लोग हैं उनसे भी साधन जुटाने को कहेंगे और सरकार की ग्रांट इन एड भी होगी । तीर्थ स्थानों में आम तौर से तीर्थ यात्री धर्म शालाओं में ठहरना पसन्द करते हैं । अब धर्म शालाओं पर कहां कहां और क्या क्या सुधार किया जाए ताकि वे रहने लायक बन जाएं, इस सब पर विचार करते समय निश्चित रूप से माननीय सदस्य के सुझाव को भी ध्यान में रखा जाएगा ।

SHRI HITENDRA DESAI : Gujarat has a complex—Veraval Complex—from where we go to Dwarka, Somnath and even go to Gir where Gir lion is famous in Asia. So, Veraval is there; Ahmedabad is there. Gandhi Ashram is here. Will the Government consider putting up of the Janata Hotel either at Ahmedabad or at Veraval?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : माननीय सदस्य का जो सुझाव है जैसा मैंने निवेदन किया है इस पर हम विचार कर सकते है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 और उसके अन्तर्गत बने नियमों की क्रियान्विति

***993 श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय/विभाग ने अपने संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों को राजभाषा अधिनियम, 1963 और जून, 1976 में उसके अन्तर्गत बने नियमों के बारे में सूचित किया है और उनका पालन करने के लिए कहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या उनके मंत्रालय विभाग ने उपरोक्त उपबंधों और नियमों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है और राजभाषा से संबंधित नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग). राजभाषा अधिनियम तथा उसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों के उपबन्धों का पूरी तरह से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री नवाब सिंह चौहान : यदि मंत्री महोदय इस सम्बन्ध में एक विवरण भी सदन में रख देते, तो अच्छा होता।

मैं समझता हूं कि मंत्री महोदय ने राजभाषा अधिनियम को देखा होगा और उस के नियमों को भी पढ़ा होगा .... (**व्यवधान**)

SHRI K. GOPAL: Sir, same type of questions for various Ministries are appearing every day in the list of oral questions. There is some fraud. It must be probed.

(*Interruptions*)

SHRI VASANT SATHE : It is high time this Hindi chauvinism is stopped. In fact, they are doing more harm than benefit to Hindi.

MR. SPEAKER : Mr. Gopal, if you have any positive complaint against the office you let me know. I will give you an opportunity to prove it. But you cannot on the Floor of the House say that they are fraud. They are not here to defend themselves. It is not proper. If there is any circumstantial evidence I am prepared to look into that. If anyone of you have a genuine complaint I am prepared to go into the matter but I deplore the remark which has been made. It is not proper to make allegations against the staff in the open House. They will get frustrated. The ballot may favour one person today and another person some other day.

SHRI K. GOPAL : This is the circumstantial evidence. You may please to go into it. How can it come everyday ? I am fully convinced.

(*Interruptions*)

SHRI K. LAKKAPPA : Sir, we have no allegation against the office but an impression gets created in the mind of the people from Southern States that Hindi is being imposed as same type of questions are put again and again and discussed on the Floor of the House.

श्री नवाब सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न पूछने से पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि बैलट के बारे में शिकायत हमें भी है। परन्तु वहां मेम्बरों को भी बुलाया जाता है। इस लिए आप अपोजीशन के इन सदस्यों को कहिये, जो इस बारे में शिकायत कर रहे है, कि वे जा कर बैलट को देखा करें।